देश की लोकप्रिय मासिक हिन्दी खेल पत्रिका

गौरवपूर्ण 33वां वर्ष प्रारंभ

# नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स

जुलाई-2026, अंक-1

न्यूज मैग्जीन

मूल्य ₹25

## फीफा विश्व कप ने कैसे बदल दिया खेल का इतिहास

फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 विशेषांक-2

## आस्ट्रेलिया ने रिकार्ड 7वीं बार टी20 विश्व कप खिताब जीता

## राष्ट्रमंडल खेल 2026

## क्या भारत नया इतिहास बना पाएगा

commonwealth games GLASGOW 2026

23 JULY TO 02 AUGUST

# पूरी दुनिया ने देखा 1994 से भारत में आई खेल क्रांति को

नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स के 33वें स्थापना दिवस पर विशेष

आरएनआई नंबर: 69917/94 डाक पंजीयन म.प्र. / भोपाल / 607 / 2024-26 / 4 तारीख को प्रकाशित / डाक पोस्टिंग 5 तारीख

Email: nationalsportstimes@yahoo.com, nationalsportstimes@gmail.com Website: nationalsportstimes.org

# वां गौरवशाली वर्ष

## खेलों और खिलाड़ियों को समर्पित

खेल पत्रिका **नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स** के

# 33वें स्थापना दिवस

पर आप सभी खेलप्रेमी पाठकों, साथी खिलाड़ियों, खेल अधिकारियों, प्रशिक्षकों, सहयोगियों एवं शुभचिंतकों का

# आभार एवं हार्दिक अभिनंदन

इन्द्रजीत मौर्य, प्रधान संपादक


बेबसाइट: nationalsportstimes.org

मोबाइल: 9425025727

ईमेल: nationalsportstimes@Yahoo.com

# हमारे लिए गर्व की बात है कि प्रिंट और डिजीटल दोनों माध्यमों से खिलाड़ियों की सेवा कर पा रहे हैं...

इन्द्रजीत मौर्य
प्रधान संपादक

**मेरे प्यारे खिलाड़ी साथियों एवं खेल प्रेमियों,**

आप सभी की शुभकामनाओं, स्नेह, सहयोग और आशीर्वाद के बल पर आपकी अपनी खेल पत्रिका नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स (एनएसटी) इस माह अपनी 33वीं वर्षगांठ (स्थापना दिवस) का उत्सव मना रही है। जून 2026 में अपने 32 सफल वर्ष पूर्ण कर पत्रिका जुलाई 2026 से अपने गौरवपूर्ण 33वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। यह उपलब्धि केवल हमारी नहीं, बल्कि देशभर के खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों, पाठकों, खेल समीक्षकों और हमारे सभी सहयोगियों की भी है, जिन्होंने हर कदम पर हमारा साथ निभाया। पिछले कुछ दिनों से हमें देशभर से खिलाड़ियों, मित्रों और खेल प्रेमी पाठकों के बधाई संदेश और शुभकामनाएँ प्राप्त हो रही हैं। आप सभी के इस अटूट प्रेम और विश्वास के लिए हम हृदय से आभारी हैं।

इस स्थापना विशेषांक को हम एक नए अंदाज और नए कलेवर में आप सभी को समर्पित कर रहे हैं। इस अंक में खेल और खिलाड़ियों पर विशेष रिपोर्टों के साथ-साथ नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स की 32 वर्षों की कुछ खास प्रेरणादायक यात्रा की कुछ अविस्मरणीय और चित्रमय झलकियाँ भी प्रस्तुत की गई हैं। हमें विश्वास है कि यह विशेषांक आप सभी को पसंद आएगा और हमेशा की तरह आपका स्नेह व समर्थन हमें मिलता रहेगा। इस विशेषांक में देश के वरिष्ठ एवं प्रतिष्ठित खेल समीक्षकों के लेख, विश्लेषण, कॉलम और खेल रिकॉर्ड्स के साथ-साथ देश में खेलों और खिलाड़ियों को नई दिशा देने वाले शीर्ष खिलाड़ियों पर एक विशेष कवर स्टोरी भी प्रकाशित की जा रही है। इसके अलावा इस अंक में जुलाई 2026 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों, विश्वकप फुटबॉल विशेषांक-2, लीजेंड भारतीय क्रिकेटर, खेलों में रोजगार के अवसर सहित कई विशेष रिपोर्ट प्रकाशित की जा रही है। उम्मीद है आप सभी को ये जरूर पसंद आएगी।

प्रिय साथियों, नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स का एकमात्र उद्देश्य हमेशा से देश, प्रदेश, शहर, जिला और ग्रामीण अंचलों के खिलाड़ियों को मंच देना, उनकी उपलब्धियों को पहचान दिलाना और उनकी आवाज को समाज तक पहुँचाना रहा है। जब वर्ष 1994 में हमने इस पत्रिका की शुरुआत की थी, तब शायद यह कल्पना भी नहीं थी कि यह सफर तीन दशकों से अधिक लंबा और इतना यादगार होगा। लेकिन आप सभी के प्रेम, विश्वास और सहयोग ने हर कठिनाई को आसान बना दिया।

सच कहूँ तो इस लंबे सफर में हमारी प्रतिबद्धता और खेलों के प्रति जुनून भी शामिल रहा है। क्योंकि इस क्षेत्र में तीन दशक से अधिक समय तक निरंतर बने रहना आसान नहीं होता। इन 32 वर्षों में मैंने और मेरी छोटी-सी टीम ने सीमित संसाधनों के बावजूद खेल पत्रकारिता को समर्पित भाव से आगे बढ़ाने का सतत प्रयास किया है। खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों का निरंतर सहयोग हमें मिलता रहा और आज भी हम पूरे आत्मविश्वास के साथ मैदान में एक मजबूत खिलाड़ी की तरह डटे हुए हैं। यूँ कहें कि हमने अपने जीवन का 33वाँ स्वर्ण पदक हासिल किया है और यह उपलब्धि हमारे लिए किसी ओलंपिक पदक से कम नहीं है।

आज नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स न केवल मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ की अग्रणी खेल पत्रिकाओं में शामिल है, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी एक विशिष्ट पहचान बना चुकी है। राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स को देश की नंबर वन खेल पत्रिका की उपाधि देते हैं तो गर्व से हमारा सीना चौड़ा हो जाता है। सोशल मीडिया और डिजिटल दौर में भी यह पत्रिका प्रिंट माध्यम के जरिए खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों के बीच लगातार लोकप्रिय बनी हुई है। हर माह पाठकों को हमारे नए अंक का इंतजार रहता है और अंक के प्रकाशन में थोड़ी भी देरी होने पर उनके फोन और संदेश आने शुरू हो जाते हैं। यह अपनापन ही हमारी सबसे बड़ी पूँजी है।

हमारी इस लोकप्रियता में देशभर के सम्मानित खेल समीक्षकों, लेखकों, सहयोगियों और शुभचिंतकों का भी अमूल्य योगदान रहा है। उन्हीं के सहयोग और मार्गदर्शन से हम हर माह पत्रिका को नए स्वरूप और नई ऊर्जा के साथ पाठकों तक पहुँचा पाते हैं। नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स केवल खेल समाचारों का मंच नहीं है, बल्कि खिलाड़ियों को नई ऊर्जा, प्रोत्साहन और सम्मान देने का एक सशक्त माध्यम भी है। इसी उद्देश्य से वर्ष 1996 में शुरू हुआ नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स खेल अवॉर्ड समारोह आज देश और प्रदेश में अपनी एक अलग पहचान बना चुका है। हमें यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि हमने 31वाँ नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स खेल अवॉर्ड समारोह सितंबर 2026 में आयोजित करने का निर्णय लिया है और इसकी तैयारियाँ शीघ्र प्रारंभ की जाएँगी।

पत्रिका के साथ-साथ वर्ष 2011 में शुरू हुई हमारी वेबसाइट nationalsportstimes.org भी लगातार लोकप्रिय हो रही है और लाखों खेल प्रेमी डिजिटल माध्यम से भी हमारे साथ जुड़े हुए हैं। यह हमारे लिए गर्व और संतोष का विषय है कि प्रिंट और डिजिटल-दोनों माध्यमों से हम खेल और खिलाड़ियों की सेवा के अपने संकल्प को निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं। हाल ही में हमारी वेबसाई ने अपने 16 वर्ष पूरे किए हैं। अपने 33वें स्थापना दिवस के इस गौरवपूर्ण अवसर पर नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स परिवार देशभर के खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों, पाठकों, खेल समीक्षकों, प्रायोजकों, सहयोगियों और सभी शुभचिंतकों के प्रति हृदय से आभार और धन्यवाद व्यक्त करता है।

**आपका स्नेह, विश्वास और सहयोग ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। यही प्रेरणा हमें आगे भी खेल और खिलाड़ियों के हित में निरंतर कार्य करने का उत्साह देती रहेगी।**

**आप सभी का पुनः हार्दिक आभार एवं धन्यवाद...**

**आपका साथी खिलाड़ी**
**इन्द्रजीत मौर्य**

नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स

पंजीयन संख्या (आरएनआई): 69917/94, डाक पंजी. न. मप्र/भोपाल/607/2024-26

■ वर्ष-33 ■ अंक-1 ■ क्रमांक-309 ■ जुलाई-2026 ■ मूल्य-25 रूपये

## संपादकीय मंडल

| | | |
|---|---|---|
| प्रधान संपादक | : | इन्द्रजीत मौर्य |
| प्रबंध संपादक | : | सुरेश कुमार |
| प्रबंधक | : | मयूरी मौर्य |
| विज्ञापन प्रबंधक | : | अजय मौर्य |
| विज्ञापन सहायक | : | रामेश्वर भार्गव |
| डिजाइनिंग | : | सुरेन्द्र डहारे |
| फोटो जर्नलिस्ट | : | मनीष शुक्ला |
| कार्टूनिस्ट | : | वीरेंद्र कुमार ओगले |

## सलाहकार संपादक

- अरुणेश्वर सिंहदेव
- अरुण भगोलीवाल
- आशीष पाण्डे
- शांति कुमार जैन
- समीर मिरीकर
- सुशील सिंह ठाकुर
- राजीव सक्सेना
- शंकर मूर्ति

## विशेष संवाददाता / समीक्षक

हरेंद्र नागेश साहू, हरीश हर्ष, चरनपालसिंह सोबती, सरिता अरगरे, मोहन द्विवेदी, मोहम्मद ईशाउद्दीन, धर्मेश यशलाहा, दामोदर आर्य, डॉ. मुनीष राणा, प्रशांत सेंगर, सुदेश सांगते, डॉ. प्रशांत मिश्रा, विजय रांगणेकर, अनुराग मिश्रा, मो. अफरोज, दीपक शर्मा, आत्माराम भाटी, प्रियेश चौबे, नितेश छाबड़ा।

## संपादकीय कार्यालय

बी-10, छत्रपति नगर, अयोध्या बायपास, भोपाल
फोन : 0755-4218892,
मोबाइलः 09425025727, 8349994166

**पंजीयन कार्यालय :** ई-197, ओल्ड मीनाल रेसीडेंसी, जे.के. रोड, भोपाल, मप्र-462023,

**E-Mail:** nationalsportstimes@Yahoo.com
nationalsportstimes@gmail.com

फोटो स्रोतः इंटरनेट, सोशल मीडिया, अखबार एवं ब्यूरो कार्यालय

## ब्यूरो कार्यालय

इंदौर, उज्जैन, नागदा, देवास, सीहोर, विदिशा, रायसेन, बुरहानपुर, धार, जबलपुर, ग्वालियर, दतिया, रीवा, सतना, खण्डवा, खरगोन, शहडोल, छिंदवाड़ा, सागर, छतरपुर, होशंगाबाद, बैतूल, इटारसी, रतलाम, शिवपुरी, ललितपुर, झाँसी, नागपुर, रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, मुंबई, रत्नागिरी, कोलहापुर, पूना, जलगाँव, दिल्ली, नोएडा, हरियाणा, लुधियाना, जालंधर, मेरठ, लखनऊ, कानपुर, इलाहाबाद, गोरखपुर, मिर्जापुर, जयपुर, पटना, नैनीताल, देहरादून, कुमाऊ, गाजियाबाद, एंगुल (उड़ीसा), ऊना, शिमला, भुवनेश्वर।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक इन्द्रजीत मौर्य द्वारा सुलेख आफसेट प्लाट नं. 150, एल-5, मनोरमा काम्प्लेक्स, जोन-1, एमपी नगर, भोपाल से मुद्रित तथा ई-197, मीनाल रेसीडेंसी, जे.के. रोड, राज होम्स कॉलोनी, भोपाल से प्रकाशित। संपादक इन्द्रजीत मौर्य।

खेल पत्रिका में प्रकाशित लेखों की जिम्मेदारी लेखक की है। प्रकाशक एवं संपादक का लेखक से सहमत होना अनिवार्य नहीं है। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।

27 फीफा विश्व कप फुटबॉल

## फीफा विश्व कप ने कैसे बदल दिया खेल का इतिहास

## अंदर के पन्नों पर

| | |
|---|---|
| 17 साल बाद भारत में विश्व बैडमिंटन | 23 |
| रोहित शर्मा को मिला पद्मश्री | 24 |
| श्रद्धांजलि : जयपाल राणा | 25 |
| भारतीय एथलीट की नई सनसनी | 26 |
| मां-बेटे की ऐतिहासिक जोड़ी | 31 |
| विश्व कप में पहले गोल का लेखा-जोखा | 32 |
| ऑस्ट्रेलिया ने 7वीं बार विश्व कप जीता | 37 |
| क्रिकेट का उभरता सितारा वैभव सूर्यवंशी | 38 |
| भारतीय क्रिकेट लीजेंड | 42 |
| खेल में गूंजे छत्तीसगढ़िया | 49 |
| सुपरहिट रहा एमपीएल | 56 |
| 145 एकड़ बन रहा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स | 60 |

**Website: www.nationalsportstimes.org**

# कॉमनवेल्थ गेम्स 2026: ग्लासगो में 74 देशों के 3000 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे

**कॉमनवेल्थ** गेम्स में मेडल जीतना हर खिलाड़ी के लिए करियर के सबसे यादगार पलों में से एक होता है। पोडियम पर खड़े होकर जब खिलाड़ी गले में मेडल पहनता है, तो वह सिर्फ एक प्रतियोगिता का परिणाम नहीं होता, बल्कि वर्षों की मेहनत, संघर्ष और सपनों की पहचान बन जाता है। 23 जुलाई से 2 अगस्त तक होने वाले ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में मिलने वाले मेडल सिर्फ सफलता का प्रतीक नहीं, बल्कि अपने अंदर पूरे शहर की कहानी भी समेटे होंगे, क्योंकि ऐसे आयोजन सिर्फ खेलों का मंच नहीं होते, बल्कि वे उस शहर की पहचान और संस्कृति को भी दुनिया के सामने लाते हैं, जहां उनका आयोजन होता है। ग्लासगो 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स में मिलने वाले मेडल भी इसी सोच को आगे बढ़ाते हैं। ये मेडल सिर्फ खिलाड़ियों की जीत और उपलब्धि का प्रतीक नहीं होंगे, बल्कि इनमें ग्लासगो का इतिहास, उसकी औद्योगिक विरासत और सांस्कृतिक पहचान भी दर्ज होगी।

केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, डॉ. पीटी उषा और लिंडी कैमरून ने हाल ही में ग्लासगो 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए किंग्स बैटन रिले का अनावरण किया।

करीब 3000 खिलाड़ी, 74 देशों और क्षेत्रों की भागीदारी वाले इस आयोजन में हर मेडल अपने साथ एक अलग कहानी लेकर आएगा, लेकिन ग्लासगो 2026 के मेडल को खास बनाता है इसका अनोखा डिजाइन। कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में पहली बार ब्रेल और टैक्टाइल (स्पर्श से महसूस किए जा सकने वाले) तत्वों को शामिल किया गया है, ताकि उपलब्धि का यह अनुभव ज्यादा समावेशी और हर खिलाड़ी के लिए महसूस किया जा सके। ग्लासगो 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स में करीब 3000 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। ये खिलाड़ी कॉमनवेल्थ के 74 देशों और क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करेंगे। हर मेडल अपने साथ एक अलग कहानी लेकर आएगा। कोई खिलाड़ी पहली बार अंतरराष्ट्रीय मंच पर उतरेगा तो कोई पुराना चैंपियन अपनी विरासत को आगे बढ़ाने की कोशिश करेगा। इस बार कुल 215 मेडल इवेंट्स आयोजित होंगे। इनमें खेल और पैरा स्पोर्ट्स दोनों शामिल हैं। अनुमान के मुताबिक इन प्रतियोगिताओं में 1168 तक मेडल दिए जा सकते हैं। ग्लासगो 2026 की एक और खास बात यह है कि यह बेहद कॉम्पैक्ट गेम्स होंगे। मेडल इवेंट्स कुल 10 खेलों और छह पैरा स्पोर्ट्स में आयोजित किये जाएंगे। सभी प्रतियोगिताएं शहर के चार प्रमुख वेन्यू में होंगी, जो करीब आठ मील के दायरे में स्थित है। इससे खिलाड़ियों, दर्शकों और आयोजन से जुड़े लोगों को एक अलग तरह का अनुभव मिलेगा, जहां खेल और शहर के बीच दूरी कम होगी।